

१.५.२५

पत्रावली पेश हुई ~~वकील उपाखिता~~  
है। पीठासीन अधिकारी महो० ~~नग पार्थ क व्याप~~  
है। साबिक कार्यवाही हेतु दि० ~~२१.५.२५~~  
को पेश हो

२१.५.२५

~~पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी स्वयं  
उपाखिता वकील के द्वारा पेश  
जो उपाखिता के लक्ष्य प्राप्त होकर  
उपाखिता पत्रावली वापस लक्ष्य  
२१.६.२५ को पेश हो~~

२१.६.२५

पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपाखिता  
नहीं है उपाखिता के वकील उपाखिता  
वकील प्रार्थी स्वयं उपाखिता को  
कक कर आवका लगवाणी जमी जिसके  
वाकबुद ग्यायालय में उपाखिता गरी हुये  
है अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी अदालत  
द्वारा एवं अदालत के स्वार्थिक  
पेशा जाता है उपाखिता ग्यायालय का  
दिवाने जिला उपाखिता के साथ भौतिया  
जावे। पत्रावली के लक्ष्य के शुमार होकर  
बाद वकील कारखाने डेकर हो

रजिस्ट्रार का  
अदालत  
२१.६.२०२५

अतिरिक्त जिला कलक्टर  
बन्दी (राज०)

पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी स्वयं उपाखिता  
नहीं है उपाखिता के वकील उपाखिता  
वकील प्रार्थी स्वयं उपाखिता को  
कक कर आवका लगवाणी जमी जिसके  
वाकबुद ग्यायालय में उपाखिता गरी हुये  
है अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी अदालत  
द्वारा एवं अदालत के स्वार्थिक  
पेशा जाता है उपाखिता ग्यायालय का  
दिवाने जिला उपाखिता के साथ भौतिया  
जावे। पत्रावली के लक्ष्य के शुमार होकर  
बाद वकील कारखाने डेकर हो